भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1182
उत्तर देने की तारीख : **23** मार्च, 2012

योग्य संकाय की कमी

1182. **श्री तरुण विजय:**

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विभिन्न राज्यों में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के कितने पदों को भरा जाना बाकी है;

(ख) शिक्षाविदों द्वारा विशेष रूप से इंजीनियरिंग, भौतकी और विज्ञान की अन्य विधाओं से जुड़े व्यावसायिक महाविद्यालयों में योग्य संकाय की कमी के बारे में की गई नियमित शिकायतों के संबंध में सरकार का क्या रुख है; और

(ग) उच्च शैक्षणिक संस्थानों हेतु पर्याप्त संख्या में योग्य शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ0 डी. पुरंदेश्वरी)

(क): सर्व शिक्षा अभियान आरंभ होने के बाद 19.14 लाख अध्यापकों के पद संस्वीकृत किए गए हैं जिनमें से 31 मार्च, 2011 तक 12.24 लाख अध्यापक भर्ती कर लिए गए हैं।

(ख) और (ग): संकाय की कमी को पूरा करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। केंद्रीय शैक्षिक संस्थाओं में संकाय की सेवानिवृत्ति की आयु को 65 वर्ष तक बढ़ा दिया गया है और 70 वर्ष की आयु तक पुनर्नियोजन का भी प्रावधान किया गया है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने बी.टेक. अर्हताप्राप्त शिक्षकों को तीन वर्ष की सीमित अवधि के लिए प्रो–टर्म लेक्चरर के रूप में इस शर्त पर भर्ती करने की अनुमति दी है कि वे इस अवधि के दौरान मास्टर डिग्री प्राप्त करेंगे। मौजूदा संस्थाओं में द्वितीय पाली की अनुमति दी गई है और मास्टर डिग्री कार्यक्रमों में दाखिलों (सीटों की संख्या) में वृद्धि की गई है ताकि संकाय के अभाव को **न्यूनतम** किया जा सके। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालयों के शोध एवं शिक्षण संसाधनों में अभिवृद्धि करने के लिए 'ऑपरेशन फैकल्टी रिचार्ज' नामक योजना शुरू की है ताकि विश्वविद्यालय प्रणाली में संकाय के अभाव को दूर किया जा सके और अधिवर्षिता की आयु के बाद भी संकाय की पुनः नियुक्ति की जा सके।